

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार को नई रफ्तार

मुक्त व्यापार समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन से निवेश बढ़ेगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक संबंधों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने भारत-न्यूजीलैंड व्यापार परिषद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।



इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को प्रभावी रूप से लागू करना और द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को नई गति प्रदान करना है। एसोचैम द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने,

बाधाओं को कम करने और निवेश को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा। इसके साथ ही, बेहतर कर्नेलिटिविटी, पर्यटन, हवाई सेवाओं और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने

पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि साझेदारी की पूरी क्षमता का लाभ उठाया जा सके।

इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू न्यूजीलैंड द्वारा अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर तक निवेश करने की योजना है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और सेवा क्षेत्रों में प्रगति को गति देगा। इसके अलावा, भारतीय सेवा क्षेत्र-विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, शिक्षा और व्यवसायिक सेवाएं-न्यूजीलैंड के बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर सकते हैं।

दशमलव तीन अरब डॉलर है, जबकि सेवाओं का व्यापार करीब छह सौ चौरास मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

मेकमायट्रिप का अडानी एयरपोर्ट्स से करार



नयी दिल्ली, 27 अप्रैल ऑनलाइन ट्रेवल पोर्टल मेकमायट्रिप ने अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के साथ करार किया है जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय यात्री ड्यूटी फ्री स्टोर से सामान की प्री-बुकिंग करा सकेगा।

दोनों कंपनियों ने सोमवार को इस संबंध में हुए करार की घोषणा की। इसके तहत अडानी एयरपोर्ट्स द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर प्रस्थान और आगमन

दोनों के लिए ड्यूटी-फ्री प्री-बुकिंग सेवा शुरू की गई है। यात्री 10 से अधिक श्रेणियों में 100 से अधिक ब्रांड और 14,000 से अधिक एस्क्यू में से उत्पाद ब्राउज़ कर सकते हैं और अपनी यात्रा से पहले मेकमायट्रिप पर उन्हें प्री-बुक कर सकते हैं। साथ ही विभिन्न श्रेणियों में विशिष्ट ऑनलाइन ऑफर के लाभ भी ले सकते हैं। यह सेवा अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान और आगमन दोनों यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

इस पहल का उद्देश्य एयरपोर्ट पर ब्राउज़िंग और कतार में खड़े होने में लगने वाले समय को कम करना है। इससे चेक-इन से लेकर बोर्डिंग और आगमन तक समय प्रबंधन बेहतर होता है।

चावल, गेहूँ के भाव बढ़े, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल घरेलू थोक जिन बाजारों में सोमवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूँ में भी तेजी देखी गयी। चीनी और खाद्य तेलों के भाव टूट गये जबकि दालों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,849 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूँ चार रुपये महंगा हुआ और 2,784 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 10 रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। तुअर दाल और मसूर दाल की औसत कीमत 23-23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 14 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल में 33 रुपये और चना दाल में 11 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी।

भारतीय शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई, 27 अप्रैल फार्मा, आईटी और ऑटो कंपनियों में अच्छी लिवाली से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 639.42 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त में 77,303.63 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 194.75 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी में 24,092.70 अंक पर रहा। इससे पहले लगातार तीन दिन दोनों प्रमुख सूचकांक टूट रहे थे। मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। निफ्टी-मिडकैप-50 सूचकांक 1.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.90 प्रतिशत बढ़ा। दवा बनाने वाली कंपनी



सनफार्मा द्वारा इसी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी ऑर्गानॉन के अधिग्रहण की खबर के बाद भारतीय कंपनी का शेयर आज सात प्रतिशत ऊपर बढ़ हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचएसएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयर दो से तीन प्रतिशत चढ़े। टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी और इंफोसिस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बढ़ हुए। भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, टाटन, एलएडटी, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे। एक्सिस बैंक का शेयर तीन फीसदी लुढ़क गया। बीईएल में दो प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेड, आईसीआईआई बैंक और इटरनल के शेयर भी टूट गये।

सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली, 27 अप्रैल 2026 सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी 27 अप्रैल 2026 को हल्की गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 जून 2026 के गोल्ड फ्यूचर वायदा 170 रुपये की कमी के साथ 1,52,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर टूट कर रहा था।



आज दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में 10 ग्राम चांदी की कीमत 2,600 रुपये है, जबकि 100 ग्राम चांदी खरीदने के लिए 26,000 रुपये खर्च होंगे। चेन्नई में 10 ग्राम चांदी की कीमत 2,700 रुपये है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक स्थितियों के कारण कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव आम बात है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे भावों में हल्की गिरावट का फायदा उठाकर सोच-समझकर निवेश करें।

इस गिरावट के बावजूद सोना और चांदी लंबे समय तक सुरक्षित निवेश के विकल्प बने हुए हैं। हल्की गिरावट में भी खरीदार और निवेशक दोनों सावधानी से निर्णय लें, क्योंकि भावों में मामूली बदलाव तेजी से बाजार को प्रभावित कर सकता है।

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल. भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 4.4 लाख यूनिट्स हो गई है और इसमें तिमाही आधार पर 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसकी वजह मजबूत घरेलू मांग को माना जा रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में ऑटोमोबाइल की थोक बिक्री वित्त वर्ष 27 में 4-6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसे जीएसटी में कटौती और नए मॉडल के लॉन्च होने से फायदा होगा।

यूपीआई से पीएफ निकासी जल्द होगी शुरू

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जल्द ही अपने करोड़ों खाताधारकों को एक बड़ी डिजिटल सुविधा देने जा रहा है, जिसके तहत अब पीएफ की राशि सीधे यूपीआई के माध्यम से निकाली जा सकेगी। यह नया सिस्टम मई 2026 के अंत तक लागू होने की संभावना जताई जा रही है। इस बदलाव के पीछे धक्कनह का उद्देश्य निकासी प्रक्रिया को पहले से अधिक तेज, आसान और पारदर्शी बनाना है।

अभी तक पीएफ का पैसा निकालने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन यूपीआई सुविधा लागू होने के बाद यह प्रक्रिया लगभग तत्काल हो सकती है। नई व्यवस्था के तहत यूजर्स को पोर्टल या मोबाइल ऐप पर अपने यूएनएन नंबर के जरिए लॉगिन करना होगा और ओटीपी वेरिफिकेशन पूरा करना होगा। इसके बाद वे अपने खाते में उपलब्ध कुल बैलेंस और निकासी योग्य राशि देख सकेंगे।

समाचार विशेष

4 जिले तय करेंगे कौन होगा सीएम?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव भले ही अभी कुछ दिनों के बाद हो, लेकिन महिला और जातिगत राजनीति का बिंदु चरम पर है। हर दल एक संदेश देकर जातिगत हित साधने में जुटा है। समाजवादी पार्टी के सुप्रिभो अखिलेश यादव ने जूही सिंह की जगह सीमा राजभर को महिला सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया तो वहीं बीजेपी ने इसे सलार मसूद से जोड़कर कहा कि राजभर हमारे साथ हैं। महिला राजनीति इन दिनों उत्तर प्रदेश की सियासत का प्रमुख बिंदु है। सीएम योगी ने नारी शक्ति चंदन अधिनियम पर प्रमुख विरोध के विरोध में निकलने वाली महिला पदायता की अगुआई की और इस दौरान ओपी राजभर उनके साथ कंधे से

कंधा मिलाकर चलते दिखे। वहीं अखिलेश यादव ने भी एक तीर से दो शिकार करते हुए दांव चला। पहले तो महिला सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा कर सीमा राजभर को बनाया, वहीं दूसरी ओर महिला शक्ति सम्मान के साथ राजभर हितैषी और पीडीए का संदेश प्रसारित कर दिया। पूर्वोच्चल राजभर वोटों को लेकर निभाता है प्रमुख भूमिका गौरतलब है कि यूपी के पूर्वोच्चल में राजभर आबादी लगभग 4 प्रतिशत है और ऐसा माना जाता है कि 24 जिलों में राजभर अपने वोट को लेकर प्रमुख भूमिका निभाता है। निर्णायक भी होता है इसके प्रतिनिधि के तौर पर प्रमुख नेता ओपी राजभर जो कि कुछ दिनों पहले सपा के साथ थे, अब एनडीए के साथ जुड़कर मंत्री बनाए गए हैं।

नीतीश के पदचिन्हों पर निशांत की सियासत!

सत्ता को अपने पाले में फिक्स करने की जेडीयू की जमीनी प्लानिंग एच दिन पहले मीडिया के सवाल पर निशांत ने कहा कि तीन मई से यात्रा शुरू करेंगे। संजय अंकल यानी संजय झा उनके साथ रहेंगे। पार्टी कार्यकर्ता मिलकर सब कुछ तय करेंगे। वो मीडिया को बाद में जानकारी देंगे। निशांत कुमार सत्ता में एक्टिव होने से पहले कार्यकर्ताओं से फेस टू फेस संवाद करने के लिए यात्रा पर निकल रहे हैं। ये एक बहुत अच्छी रणनीति मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि निशांत अपने पिता की तरह पहले जमीन पर उतरकर वास्तविकता से परिचित होना चाहते हैं।



बीजेपी ये दावा कर रही है कि राजभर उसके साथ है, लेकिन अखिलेश यादव ने जब महिला शक्ति को साधने के साथ ही पीडीए का संदेश देते हुए राजभर को स्थान दिया वैसे ही बीजेपी ने कहा कि सलार मसूद को मानने वालों के साथ राजभर कभी नहीं जाएगी। चुनाव से पहले जातिगत गणित बैठाने में जुटी पार्टियों के एजेंडे में आधी आबादी के साथ जातीय गणित भी है। अब देखना ये होगा कि सपा और बीजेपी के राजभर दांव के बीच वोटर्स को साधने में कौन सफल होता है।

विशेष पीके और तेज प्रताप यादव की मुलाकात के बाद चर्चा तेज

जनसुराज और जेजेडी का होगा गठबंधन!

पटना. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को चुनाव में उतारना दल से अलग कर दिया गया था। आरजेडी से बाहर निकाले जाने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल का गठन किया और कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनाव में उतारा। तेज प्रताप यादव खुद भी महुआ विधानसभा सीट से चुनाव में कामयाब नहीं हुए, अभी विधानसभा चुनाव में काफी वक

में लिखा कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि इसमें कई ऐसे मुद्दों पर विमर्श हुआ जो आने वाले समय में राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं। उन्होंने लिखा कि इस संवाद में वे अपने राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण अनुभव के रूप में देखते हैं, जहां सकारात्मक सोच और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प और भी मजबूत हुआ। अब सवाल उठ रहा है कि तेज प्रताप और प्रशांत किशोर के मिलने का क्या मायने है और क्या

ममता को बाहरी वोट की चिंता क्यों?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी इस बार परेशान बताई जा रही हैं। लेकिन कोलकाता के जानकार लोगों के कहना है कि यह कोई नई बात नहीं है। हर चुनाव में वे परेशान होती हैं लेकिन अंत में जीत उनकी होती है। अब पता नहीं चार मई को नतीजा क्या आता है लेकिन उससे पहले ममता बनर्जी ने कई किस्म की चिंताएं जताई हैं। इनमें एक चिंता यह है कि भाजपा दो लाख बाहरी वोटर्स को बंगाल ले आई है। सवाल है कि ममता बनर्जी के बाहरी मतदाताओं की चिंता क्यों है? क्या तृणमूल कांग्रेस के

जमीनी कैडर के सक्रिय रहते भाजपा बाहरी मतदाताओं से वोट करा पाएगी? यह सवाल इसलिए है कि ममता बनर्जी के पास सबसे ज्यादा संख्या में और सबसे ज्यादा उत्साही व सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 15 साल की सत्ता का लाभ उठाया है और उनको पता है कि सत्ता मिली तो फिर उनका राजपाट चलता रहेगा। इसलिए वे जेजुन मतदाताओं तक को वोट डालने से रोकते हैं या परेशान करते हैं। उनके रहते भाजपा बाहरी मतदाताओं से कैसे वोट डलवा पाएगी? केन्द्रीय बलों की सुरक्षा और दूसरे तमाम बंदोबस्त के बावजूद हकीकत यह है कि कोई भी बाहरी मतदाता बूथ पर वोट नहीं डाल पाएगा।

बिहार में सभी पार्टियों का अपना जातिगत वोट बैंक

प्रशांत किशोर ने चुनाव से पहले 2 साल तक काफी मेहनत की और सभी वर्गों को जोड़कर चलने का काम किया। लेकिन चुनाव में क्या मिला यह सबने देखा। तेज प्रताप यादव ने भी नई पार्टी बनाई, लेकिन वह आरजेडी से निकले हैं। बिहार में हर पार्टी का जाती के आधार पर वोट बैंक है, चाहे चिराम पासवान हो, उपेंद्र कुशवाहा हो या जीवन राम माझी हो। सभी का अपनी जाति का वोट बैंक है। तेज प्रताप यादव को आरजेडी के वोट बैंक से संघमारी करके अपने पाले में लाना होगा, जो इतना आसान नहीं है।